अनुक्रमणिका

अ

अटार्नी
की विल उपाबद्ध करते हुए प्रशासन 316

अरजिस्ट्रीकृत वसीयत
से अभिप्राय 17

अवशेष
का प्रायिक संदायों के पश्चात् अवशिष्ट वसीयतदार संदत्त को किया जाना 451
दोनों वसीयतों का संदाय करने के लिए 213

अवर न्यायालय
को प्रदान करना 482

अवशिष्ट वसीयतदार
का अवशिष्ट निधि के उत्पाद पर हक 440
को अन्तरण 434
की अवयस्कता के दौरान प्रशासन 317

अवशिष्ट
का प्रोबेट या प्रशासन 328

अवशिष्ट निधि
के उत्पाद पर हक 440

अवशिष्ट दान
का पहले चुकाया जाना 234

अवशिष्टीय वसीयतदार
का गठन 131

अवैध या अनैतिक
शर्त पर वसीयत 172

अवयस्क
के मामले में 266
को दौरान प्रशासक की शक्तियाँ 404
के दौरान प्रशासन 318

अस्तित्व में होना
वसीयतदार का 52

अस्वाभाविक वसीयत
से अभिप्राय 17

अस्वीकार किया जाना
विषय-वस्तु के वर्णन में गलत वर्णन का 98

अस्वीकृत न किया जाना
यदि युक्तियुक्त अर्थान्वयन किया जा सके तो किसी भाग को 107

असंगत खण्डों
में से अंतिम का अभिभावी होना 109

असीमित वसीयत
से अभिप्राय 17

असम्भव शर्त
पर वसीयत 172

असम्यक् असर
से अभिप्राय 368

अग्राह्यता
प्रत्यक्ष संदिग्धार्थता या कमी के मामलों में बाहरी साक्ष्य की 101
बाहरी साक्ष्य की 101

अप्रशासित हो
प्रशासन जहाँ सीमित अनुदान का पर्यवसान हो गया हो फिर भी सम्पदा का कुछ भाग 329

अप्रशासित चीजबस्त
का अनुदान 328
के अनुदान के बारे में नियम.....329
के प्रशासन की शक्ति 404

अप्रतिरोधात्मक मामलों
में कार्यवाही करने के लिए जिला न्यायाधीश की प्रत्यायोजिती की नियुक्ति करने की शक्ति.....344

अप्रत्यक्ष
रूप से फायदा पाने वाले व्यक्ति को निर्वाचन नहीं करना है.....241

अंश एवं प्रतिभूति
से अभिप्राय.....460

अर्जी
आदि कथनों में वृद्धि.....363
के साथ उपाबद्ध.....360
प्रशासन-पत्र के लिये..... 361
प्रोबेट के लिए.....357
पर किसी कार्यवाही का तब तक न किया जाना जब तक केवियटकर्त्ता को सूचना न दे दी जाए.....371

अर्जी या घोषणा
में मिथ्या प्रकथन के लिये दण्ड सत्यापन 366

अजन्मे व्यक्ति
के पक्ष में वसीयत.....555
के पक्ष में रिक्थदान 31

अविशोषाधिकृत वसीयत
का प्रतिसंहरण 63

अविधिमान्य प्रमाण-पत्र
के धारक को सद्भाव से किए गए कतिपय संदायों का विधिमान्यकरण 480

अतिरिक्त कथन
से अभिप्राय 370

अतिरिक्त जिला न्यायाधीश
की अधिकारिता.....344

अतिरिक्त समय
के भीतर शर्त का अनुपालन करने पर देय 447
पूरा किया जाना कपट के मामले में 185

अतियाचना
से अभिप्राय 60
द्वारा अभिप्राप्त विल..... 57

अधिवास
के देश के निष्पादक या प्रशासक को भारत से आस्तियों का वितरण के लिए न्तरण.....452

अधिक मात्रा
जहाँ वसीयतकर्त्ता के पास विल की तारीख को उसी प्रकार के स्टाक की.....199

अधिकार
लेखाओं का निरीक्षण और दोहरी प्रति रखने का हितबद्ध पक्षकार का.....264
अपीलार्थी का..... 383
की विनिर्दिष्ट वसीयत का विखण्डन 211
आवश्यक व्ययों के संदाय के लिए पर्याप्त हैं तब निर्देशित वसीयत के अधीन 418
निर्वसीयत की सम्पत्ति के लिए..... 271
मृतक अवशिष्ट वसीयतदार के प्रतिनिधिव्या प्रशासन के लिए..... 305

अधिकारिता
रखने वाला न्यायालय 461
अतिरिक्त जिला न्यायाधीश की.....344

अधिकारिता—क्रमशः
कब स्थापित होती है 272
से अभिप्राय 354
प्रोबेटों आदि के अनुदान और प्रतिसंहरण में जिला न्यायाधीश की 342
निष्पादक या वसीयतदार के रूप में 272
अधिप्रमाणित प्रति की
राज्य के बाहर साबित विलों की 300
अधिक्रांत
और अविधिमान्य प्रमाण-पत्रों का अभ्यर्पण 484
अधिमान दिया जाना
दो सम्भाव्य अर्थान्वयन में से किसे 107
अनिवार्य शर्तें
से अभिप्राय 33
अनिवार्यताएं
विधिमान्य वसीयत की 9
अनिश्चित काल
तक रोकने का परिणाम 184
अनिश्चित घटना
के घटित होने या न होने की दशा में प्रभावी नहीं रहेगी 181
के घटित न होने या घटित न होने पर आश्रित होना 177
पर, जिसके घटित होने के लिए समय वर्णित नहीं हैं, समाश्रित है 167
अनिश्चितता
के कारण विल या वसीयत का शून्य होना 110
अभिप्राप्त विल
कपट, प्रपीड़न या अतियाचना द्वारा 57
अभिप्राय
शारीरिक अक्षमता का 56
शारीरिक अक्षमता 22
शून्य वसीयत से 510
रजिस्ट्रीकृत वसीयत का 16
रजिस्ट्रीकरण का 28
वसीयत से 29
वसीयत सम्पदा का 19
वसीयतकर्ता से 501
वसीयती संरक्षक का 57
वसीयतदार से 501
वार्षिकीय वसीयत से 561
वयस्कता का 55
अरजिस्ट्रीकृत वसीयत का 17
अस्वाभाविक वसीयत का 17
असीमित वसीयत का 17
अंश एवं प्रतिभूति से 460
आशय का 27
आभूषण से 461
आयु का 50
अतियाचना 60
अर्थान्वयन से 503
अनुकल्पित वसीयत का 16
अनुप्रमाणन का 27
अनुबंधात्मक वसीयत का 18
सशर्त वसीयत से 171
कपट का 59
स्वस्थचित्तता का 37,55
स्वतंत्र सम्मति का 35
स्काट्च वसीयत का 19
सशर्त वसीयत का 18
सशर्त वसीयत से 510,557
संयुक्त वसीयत का 17
सावधानियां से 504

अभिप्राय—क्रमशः:

समाश्रित वसीयत का 17
समाश्रित वसीयत से.....167,510,560
सम्पत्ति से 462,519
प्रशासक से 501
प्रशासन पत्र से.....501
प्राङ्न्याय का.....28
प्रोबेट से 501
प्रतिलिप वसीयत का.....19
प्रपीड़न का.....60
छद्म वसीयत का 19
जाँच का 14
रिक्थभागी का 29
लिखित वसीयत का 15
विषय वस्तु का.....38
विक्षिप्तता का 21
विधिक अक्षमता का.....20
विधिमान्य वसीयत का.....18
विधिमान्यता का.....28
विनिर्दिष्ट वसीयत सम्पदा से 193
सिद्धि भार का 27
हितग्राही से.....502
निष्पादक से 501
निष्पादन एवं अनुप्रमाणन का.....23
निक्षेप का 28
निर्देशित वसीयत का 18
निर्देशित वसीयत सम्पदा से 203
क्रोड पत्र का..... 33,502
तत्व का 33
दुर्भर वसीयत का.....18,164
पारस्परिक वसीयत का 16
पारिवारिक पेंशन से.....461,462
भविष्य निधि से.....461
मानसिक अक्षमता का 21

अभिप्राय—क्रमशः:

मौखिक वसीयत का.....15,49,509
मौखिक प्रतिसंहरण का 52
मुसलमान से 461
विधिक घोषणा से 12

अभिभावी होना

दी गयी असंगत खन्डों में से अंतिम का 109

अर्थान्वयन

शब्दों का 93
वसीयत का 89,522
के सिद्धान्त 128
से अभिप्राय 503
किसी भाग को अस्वीकृत न किया जाना.....107
पदों का.....124
में से किसे अधिमान दिया जाएगा.....107

अधीन होना

प्रशासन-पत्रों के अनुदान का न्यायालय की मुद्रा के.....374
प्रोबेट के अनुदान का न्यायालय की मुद्रा के 373

अध्यर्पण

प्रतिसंहृत प्रोबेट या प्रशासन-पत्र का.....380

अध्यपेक्षा

प्रमाण-पत्र के प्राप्तकर्त्ता से प्रतिभूति की 469

अनुकल्पी वसीयत

से अभिप्राय 120

अनुप्रमाणन

क्या है ?.....27
का साक्ष्य.....80
से अभिप्राय 27

अनुप्रमाणन साक्षी
को दान का प्रभाव.....79
से अभिप्राय.....80
अनुदत्त
प्रोबेट और प्रशासन-पत्र प्रतिनिधि द्वारा..... 351
अनुदत्त करना
जहाँ तक हिन्दू, मुस्लिम, बौद्ध, सिक्ख, जैन या छूट प्राप्त व्यक्ति है वहाँ प्रशासन किसे.....285
अनुदत्त किया जाना
प्रमाण-पत्र का..... 467
अनुदान
जब सर्वस्व या अवशिष्ट वसीयतदार को प्रशासन का.....303
अप्रशासित चीजबस्त का.....328
करने के पश्चात् क्रोडपत्र का पता करने पर प्रक्रिया.....332
के विरुद्ध केवियट 369
के बारे में नियम 329
समय सीमा वाले.....310
प्रोबेट और प्रशासन पत्र का 283
जहाँ निष्पादक ने पद त्याग नहीं किया है वहाँ प्रशासन का 301
वसीयतदार का प्रतिनिधि नहीं है वहां प्रशासन का 306
विभिन्न निष्पादकों को साथ-साथ या विभिन्न समय पर प्रोबेट का.....296
जिला प्रतिनिधि क्रय प्रोबेट या प्रशासन का.....371
अनुदानों
का परिवर्तन और प्रतिसंहरण 331
के प्रमाण-पत्र का उच्च-न्यायालय को पारेषण.....355
अनुपस्थिति व्यक्ति
जो यदि उपस्थित होता तो प्रशासन के लिए हकदार होता.....316
के अटार्नी को प्रशासन 317
अनुपस्थित निष्पादक
के अटार्नी को विल को उपाबद्ध करते हुए प्रशासन.....315
अनुपालन
अनुज्ञात अतिरिक्त समय के भीतर शर्त का.....447
अनुपात
में प्रतिदाय करने के लिए 447
अनुबंधात्मक वसीयत
से अभिप्राय 18
अनुमति
अपनी स्वयं की वसीयत के लिए निष्पादक की.....425
का आवश्यक होना 421
निष्पादक या प्रशासक द्वारा वसीयत सम्पदा के लिए..... 421
अनैतिक शर्त
पर वसीयत.....172
अन्तर
सुन्नी एवं शिया विधि में 43
अन्तरण
अधिवास के देश के निष्पादक या प्रशासक को भारत से आस्तियों का वितरण के लिए.....452
समाश्रित वसीयत का अवशिष्ट वसीयतदार को.....434
अन्तरणीय सम्पत्ति
मृत्यु को आसन्न मानकर दान द्वारा.....247
अन्तर्वस्तुएं
से अभिप्राय 464

अन्तर्वस्तुओं
का प्रोबेट 313
अपवाद
अंतिम छह धाराओं के उपबन्धों का.....243
के अधीन रहते हुए प्रोबेट या विल को उपाबद्ध करते हुए प्रशासन - पत्र.....327
सहित प्रशासन-पत्र.....327
से अभिप्राय..... 41,51
अपील
उच्च न्यायालय में 383
अपीलार्थी
का अधिकार.....383
अपीलें
जिला न्यायाधीश के आदेश से.....382
अपूर्ण हक
से अभिप्राय.....363
अभ्यर्पण
अधिक्रांत और अविधिमान्य प्रमाण-पत्रों का..... 484
बाम्बे रेगुलेशन संख्यांक 8 के अधीन प्रमाण-पत्रों की बाबत उपबन्ध 484

आ

आशय
की घोषणा 5,39,51
आवश्यक होना
वसीयतदार के हक को पूर्ण करने के लिये अनुमति का 421
आवश्यक तत्व
वसीयत के.....5,501
आवश्यक पक्षकार
से अभिप्राय.....336
आवश्यकता
उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र की 277
प्रोबेट की 394
आवेदन
कहां किया जायेगा 464
की पात्रता..... 465
से अभिप्राय 344
प्रमाण-पत्र के लिए 462
पर प्रक्रिया..... 465
आस्तियों
का वितरण 448,452
में कमी है वहाँ विनिर्दिष्ट वसीयत सम्पदा का.....202
आगम
की वसीयत 229
आंशिक प्रोबेट
से अभिप्राय 295
आश्रित होना
परवर्ती वसीयत का विनिर्दिष्ट अनिश्चित घटना के घटित न होने या घटित न होने पर.....177
आदेश
जिला न्यायाधीश किसी व्यक्ति की वसीयती कागज-पत्र पेश करने के 346
जिनके विरुद्ध अपील नहीं हो सकेगी.....479
डिक्री के तुल्य..... 383
देने की शक्ति.....347
आनुक्रमिक संदायों
की तारीख से पूर्व वार्षिकीदार की मृत्यु 430
आनुपातिक रूप
से संदाय किया जाना..... 414

आबद्ध किया जाना
मूल वसीयत का 360
आत्महत्या
करने वाले व्यक्ति द्वारा वसीयत 37
आत्यंतिक वसीयत
के उपभोग की रीति वसीयतदार को विनिर्दिष्ट फायदा सुनिश्चित करने के लिए.....188
आयु
वयस्कता की 34
से अभिप्राय.....50

इ

इतिहास
एवं विकास.....48

उ

उच्च न्यायालय
की शक्तियां 386
की समवर्ती अधिकारिता.....384
में अपील 383
उत्तरजीवी
निश्चित व्यक्तियों में से ऐसे व्यक्तियों को वसीयत जो अविनिर्दिष्ट कालावधि पर.....169
उत्तरजीवी निष्पादक
के प्रतिनिधित्व का प्रोद्भूत होना.....298
उत्तरजीविता
वर्णित वर्ग के लिए वसीयत के मामलों में.....138
उत्तराधिकार
प्रमाण-पत्र की आवश्यकता 277
प्रमाण-पत्र.....515
पर मृतक की सम्पत्ति के लिए प्रतिनिधि हक.....269
उत्तराधिकारी
के पक्ष में वसीयत 52
उस वर्ग
को वसीयत जिनमें से कुछ धारा 113 और 114 के अन्दर आते हैं 148
उस जिले के न्यायाधीश
जिसमें मृतक का नियत निवास स्थान नहीं था, किए गए आवेदन का निपटारा.....351
उद्देश्य
वसीयत के 39
उपशमन
वार्षिकी का.....234
न होना.....202
उपशमन न होना
विनिर्दिष्ट वसीयत सम्पदा का साधारण वसीयत सम्पदा के साथ.....202
उपस्थिति पत्र
वसीयतदारों को प्रशासन पत्र के अनुदान के पूर्व 307
से अभिप्राय 337
उत्पाद
और ब्याज वसीयत संपदाओं के.....439
के लिए, वसीयतदार का हक.....439
उपबंध
जो लागू किये गये हैं 46
निष्पादक या प्रशासक का हटाया जाना और उत्तराधिकारी के लिए.....385
उपबन्धों
का अपवाद 243
उपभोग
की रीति वसीयतदार को 188

उपयोग

जहाँ अधिवास भारत में न हो वहाँ ऋण के संदाय के लिये जंगम सम्पत्ति का 415

ऋ

ऋण

क्या है 277

ऋणों

और आवश्यक व्ययों के संदाय के लिए पर्याप्त हैं तब निर्देशित वसीयत के अधीन अधिकार..... 418

का समान रूप से और आनुपातिक रूप से संदाय किया जाना 414

के संदाय के लिए पर्याप्त हों तब विनिर्दिष्ट वसीयत संपदाओं में कमी न होना 418

ऋणों की वसूली

के लिए प्रतिनिधि हक 275

ए

एक वसीयतदार

की दूसरे वसीयतदा को प्रतिवाद करने की सीमा 451

एक ही सम्पत्ति

के लिए दूसरे रक्षक की नियुक्ति पर बन्धन 264

एक प्रतिगृहीत तथा दूसरी इंकार

एक ही व्यक्ति को दो पृथक् और स्वतंत्र वसीयतों में से 165

एकाधिक आवेदक

होने पर प्रक्रिया 467

एकमात्र निष्पादक

या अवशिष्ट वसीयतदार की अवयस्कता के दौरान प्रशासन 317

ऐ

ऐसा वसीयतदार

जिसकी तुष्टि नहीं हुई है प्रतिदाय करने के लिए कब बाध्य नहीं कर सकता है 450

ऐसे व्ययों

के पश्चात् दूसरे व्ययों का संदाय किया जाना..... 412

ऐसे माल

का माल हटाने जाने के कारण विखण्डित न होना..... 216

ऐसे मामलों में प्रक्रिया

जहाँ अवयस्क वसीयत के तुरन्त संदाय या कब्जे का हकदार है 437

क

कृत्यों

को वैध न किया जाना 292

कलेक्टर

की रिपोर्ट जहाँ संपदा में राजस्व संदत्त करने वाली भूमि सम्मिलित है 261

कई निष्पादकों या प्रशासकों

की शक्तियों का उनमें से एक द्वारा प्रयोग..... 402

में से एक की मृत्यु पर शक्तियों का समाप्त न होना 403

कोई निधि

वार्षिकी से भारित या उसके लिए विनियोजित नहीं की गई है, वहाँ प्रक्रिया..... 434

कौन-सी गलतियाँ

न्यायालय द्वारा सुधारी जा सकेंगी..... 331

कार्यवाहियाँ
प्रोबेट और प्रशासन के सम्बन्ध में जिला न्यायाधीश के न्यायालय की.....347
कार्यवाहियों
के अवधारण के लम्बित रहने के दौरान रक्षक की नियुक्ति..... 257
कतिपय सेवाओं
के लिये मजदूरियों का और तत्पश्चात् अन्य ऋणों का संदाय.....413
कतिपय धनराशि
की वसीयत.....198
कतिपय मामलों
में प्रोबेट या प्रशासन-पत्र के लिये अर्जी, आदि कथनों में वृद्धि 363
कर्तव्य
निष्पादक का.....295
निष्पादक या प्रशासक के.....406
न्यायालय का 295,370
कपट
से अभिप्राय.....59
कपट, प्रपीड़न या अतियाचना
द्वारा अभिप्राप्त विल 57
कब्जा रोक दिया जाना
वसीयत सम्पदा के निहित होने की तारीख जब संदाय का.....156
कब्जे
का हकदार और उसके निर्मित्त किसी व्यक्ति का संदाय किए जाने का निदेश नहीं.....437
कब कह सकेंगे
वसीयतकर्त्ता के प्रतिनिधि वसीयतदार से निर्वाचन करने के लिए..... 246
कब प्रभावी न होना
प्रथम वसीयत की निष्फलता पर द्वितीय वसीयत का.....176
कमी
साधारण वसीयत सम्पदाओं में 417
कमीशन
या अभिकरण प्रभार.....400
कमी किया जाना
विनिर्दिष्ट वसीयत सम्पदाओं में आनुपातिक.....419
कमी न होना
जब आस्तियाँ ऋणों के संदाय के लिए पर्याप्त हों तब विनिर्दिष्ट वसीयत संपदाओं में 418
किसी व्यक्ति
के लिये वसीयत में किसी वर्ग का वर्णन करने वाले शब्दों को जोड़ने का प्रभाव 121
किसी निष्पादक
को वसीयत 191
किन मामलों
में विल का अनुदान अर्जी के साथ उपाबद्ध किया जायेगा 360
किया जाना
रक्षक द्वारा लेखा फाइल 263
अवशेष का प्रायिक संदायों के पश्चात् अवशिष्ट वसीयतदार संदत्त को.....451
केवियट
प्रोबेट या प्रशासन के अनुदान के विरुद्ध.....369
योग्य हित.....370
क्या है?
'मरणासन्न अवस्था' 249
स्वस्थचित्तता..... 30

क्या है?—क्रमशः

मर्ज-उल-मौत 250

ऋण 277

अनुप्रमाणन 27

क्रय किया जाना

मृतक की सम्पत्ति का निष्पादक या प्रशासक द्वारा.....401

क्रोड पत्र

से अभिप्राय..... 33,502

का प्रतिसंहरण 83

के पृथक् प्रोबेट का पता लगना 297

ख

खर्च

से अभिप्राय.....347

खर्च पर

वसीयत की गई चीज के लिए वसीयतकर्त्ता के हक को पूरा करना उसकी सम्पदा के..... 224

खण्ड

का अर्थ सम्पूर्ण विल से निकाला जाना 103

खो गए विल

की प्रति या प्रारूप का प्रोबेट.....312

की अन्तर्वस्तुओं का प्रोबेट..... 313

ग

गलतियाँ

न्यायालय द्वारा सुधारी जा सकेंगी..... 331

गलत वर्णन

का अस्वीकार किया जाना 98

ग्राह्यता

प्रत्यक्ष संदिग्धार्थता के मामलों में बाहरी साक्ष्य की 100

द्वितीयक साक्ष्य की.....78

गठित करता है

विल द्वारा दिए गए फायदे का प्रतिग्रहण कब विल के अधीन लेने के निर्वाचन को 244

गठित नहीं

वसीयत की गई चीज का हटाया जाना कब विखण्डन..... 217

गठन

अवशिष्टीय वसीयतदार का.....131

न्यास का 509

गूंगे व्यक्ति

द्वारा वसीयत.....40

घ

घोषणा

आशय की 5,39,51

घोषित

नातेदारी अभिव्यक्त करने वाले शब्द केवल धर्मज नातेदारों को 125

च

चीजबस्त

का अनुदान.....328

छ

छूट प्राप्त व्यक्ति

किसे अनुदत्त किया जायेगा 285

छद्म वसीयत

से अभिप्राय 19

ज

जहाँ अधिवास भारत में न हो

वहाँ ऋण के संदाय के लिये जंगम सम्पत्ति का उपयोग.....415

जहाँ निष्पादक
अवशिष्ट वसीयतदार या ऐसे वसीयतदार का प्रतिनिधि नहीं है वहां प्रशासन का अनुदान 306
त्याग करता है या समय के भीतर स्वीकार करने में असफल रहता है वहाँ प्रक्रिया 303
जंगम सम्पत्ति
का उपयोग....415
जाँच
से अभिप्राय....14
न्यायाधीश द्वारा की गई....255
विल को पाने वाले या उसकी विषय-वस्तु से सम्बन्धित किसी प्रश्न को अवधारित करने के लिए....94
जानकारी
के बिना विषय-वस्तु में तब्दीली 220
जिला प्रतिनिधि
क्रय प्रोबेट या प्रशासन का अनुदान नहीं करेगा 371
जिला न्यायालय
से अभिप्राय....344
जिला न्यायाधीश
को कथन पारेषित करने की शक्ति....372
की शक्तियाँ....366
की प्रत्यायोजिती की नियुक्ति करने की शक्ति....344
कब और कैसे हस्तक्षेप कर सकता है....348
के आदेश से अपीलें....382
के न्यायालय की कार्यवाहियाँ 347
से अभिप्राय.... 462
जिला न्यायाधीश—क्रमशः
द्वारा प्रोबेट या प्रशासन-पत्र कब अनुदत्त किया जा सकेगा 349
कागज-पत्र पेश करने के आदेश दे सकेगा 346
जीवन पर्यन्त
के लिए वसीयत किए गए अवशेष का विनिधान.... 435
जीवनपर्यन्त संदेय
जब तक विल से कोई प्रतिकूल आशय प्रकट न हो....231

ढ

ढंग
प्रमाण-पत्रों पर न्यायालय की फीस का संग्रहण करने का 472

त

तत्व
से अभिप्राय 323
तत्वहीन
वसीयतकर्त्ता के स्वामित्व की बाबत उसका विश्वास 239
तारीख
जब संदाय का कब्जा रोक दिया गया हो....156
तामील
सूचना की....466
तीन वर्ष पुरानी वसीयत
से अभिप्राय 8
तुल्य
आदेश डिक्री के 383
तृतीय पक्षकार
से कुछ प्राप्त करने के अधिकार की विनिर्दिष्ट वसीयत का विखण्डन 211

तब्दीली
वसीयतकर्त्ता की जानकारी के बिना विषय-वस्तु में..... 220
वसीयतकर्त्ता की मृत्यु के बीच, विधि के प्रवर्तन द्वारा 219

त्यागे गए हित
का न्यागमन.....239

द

दस्तावेज
का स्वरूप 28

दावा
करने वाला व्यक्ति सदोष कब्जे के विरुद्ध अनुतोष के लिए आवेदन कर सकेगा 253
हक का..... 9
मृतक की सम्पत्ति के लिए उत्तराधिकार द्वारा अधिकार का.....253

दायित्व
इस धारा के अधीन विनिश्चयों का प्रभाव आर अधीन प्रमाण-पत्र धारक का 481
स्वयं के दोष से निष्पादक का 390
सम्पत्ति का कोई भाग लेने में उपेक्षा के लिए निष्पादक या प्रशासन का.....455
विध्वंश के लिए निष्पादक या प्रशासक का.....453
विध्वंस के लिए निष्पादक या प्रशासक का.....453

दायित्व न होना
विनिर्दिष्ट वसीयतदारों की विमुक्त करने का निष्पादक का..... 222

दायित्वों
का संदाय..... 222

दान
द्वारा अन्तरणीय सम्पत्ति 247
मृत्यु को आसन्न मानकर किया गया.....247,511,525

द्वितीय वसीयत
का कब प्रभावी न होना 176
की अविधिमान्यता द्वारा प्रभावित न होना 180

द्वितीय अपील
से अभिप्राय 480

द्वितीयक साक्ष्य
की ग्राह्यता 78

दिवालिया व्यक्ति
द्वारा वसीयत..... 37

दो सम्भाव्य अर्थान्वयन
में से किसे अधिमान दिया जाएगा..... 107

दो या अधिक व्यक्तियों
को क्रमवार वसीयत की गई सम्पत्ति का विक्रय और आगमों का विनिधान..... 201

दुर्भर वसीयत
से अभिप्राय 18,164

दूसरे रक्षक
की नियुक्ति पर बन्धन.....264

दण्ड
से अभिप्राय 347

दृष्टिहीन
व्यक्ति द्वारा वसीयत..... 23

ध

धारा 263
में न्यायोचित कारण के विभिन्न उदाहरण दिये गये हैं, यथा 335

धारा 273
के परन्तुक के अधीन अनुदानों के प्रमाण-पत्र का उच्च-न्यायालय को पारेषण.....355
धार्मिक एवं पूर्व प्रयोजनों
के लिए वसीयत.....152,523
धार्मिक प्रयोजनों
के लिए वसीयत.....565
धनराशि
का विनिधान 433
धन
की वसीयत.....199
धर्म
त्यागने वाले व्यक्ति द्वारा वसीयत 37
धर्मज नातेदारों
को घोषित करना.....125

न

न होना
प्रतिदाय पर ब्याज का.....451
नातेदारी
के न होने पर ख्यात धर्मज नातेदारों को घोषित करते हैं.....125
नामंजूर
करने की शक्ति.....382
नामांकित निष्पादक
की नियुक्ति.....294
निश्चायक होना
प्रोबेट या प्रशासन-पत्र के लिए आवेदन का 356
निरर्हित न होना
हित के कारण या निष्पादक होने के कारण साक्षी का.....81
निवास स्थान
से अभिप्राय..... 462
निर्वचन
विल के विभिन्न भागों में पुनः प्रयुक्त शब्दों का 108
निर्वाचन
को मुल्तवी रखना.....246
से अभिप्राय 511,524
विल के अधीन व्यष्टिक हैसियत में लेने वाला व्यक्ति दूसरी हैसियत में उसके विरुद्ध लेने का 242
किन परिस्थितियों में..... 239
निर्वसीयत की सम्पत्ति
के लिए अधिकार 271
निर्वसीयतता
के मामले में प्रशासन के लिए हकदार अनुपस्थित व्यक्ति के अटार्नी को प्रशासन.....317
निश्चित व्यक्तियों
में से ऐसे व्यक्तियों को वसीयत जो अविनिर्दिष्ट कालावधि पर उत्तरजीवी है 169
निकाला जाना
खण्ड का अर्थ सम्पूर्ण विल से 103
विल से.....103
निष्पादित नियोजन
की शक्ति 113
निष्पादक
वसीयत सम्पदा का परिदान कब करेगा 427
का कर्तव्य 295
की अनुमति का प्रभाव.....426
की मृत्यु 422
स्वयं के दोष से 388
से अभिप्राय 501

निष्पादक या वसीयतदार
के रूप में अधिकारिता कब स्थापित होती है..... 272
निष्पादक या प्रशासक
का हटाया जाना और उत्तराधिकारी के लिए उपबन्ध.....385
का प्रतिपूर्ति के बिना, वसीयत संपदा के संदाय के लिए बाध्य न होना.....417
को निर्देश.....386
की शक्तियाँ 393
की उस रूप में प्रकृति और सम्पत्ति.....269
के कर्तव्य.....406
द्वारा वसीयत सम्पदा के लिए अनुमति.....421
का दायित्व.....455
निष्पादकत्व
के त्याग का प्ररूप और प्रभाव.....302
निष्पादन एवं अनुप्रमाणन
से अभिप्राय..... 23,67
निष्पादन
एवं अनुप्रमाणन.....507
वसीयत का.....520
की रीति 77
के रूप में कार्य करने का आशय.....191
के रूप में नामित वसीयतदार 191
विशेषाधिकार रहित विलों का.....65
निहित
होने की तारीख जब वसीयत सम्पदा विनिर्दिष्ट अनिश्चित घटना पर समाश्रित हो 159
निहित होना
वसीयत सम्पदा का 156
निधि
की कतिपय प्रयोजनों के लिए, जिनमें से कुछ को पूरा नहीं किया जा सकता है वसीयत 189
के ब्याज या आगम की वसीयतें 229
निधियों
का विनिधान.....432
निर्णय
की विषय-वस्तु 299
निदेश
के विरुद्ध इस भाग के प्रवर्त्तन का वर्जन.....266
दिया गया हो कि वार्षिक सम्पत्ति के आगमों में से या साधारणतः सम्पत्ति में से दी जानी चाहिए.....232
द्वारा कागजों का सम्मिलित किया जाना.....70
निष्पादक या प्रशासक को 386
निदेश नहीं
संदाय या कब्जे का हकदार है और उसके निर्मित्त किसी व्यक्ति का संदाय किए जाने का 437
निर्देशित वसीयत
का विखण्डित न होना.....211
से अभिप्राय 18
निर्देशित वसीयत सम्पदा
की परिभाषा.....203
निर्धारण
से अभिप्राय 465
निर्दिष्ट करना
वस्तुओं का वर्णन करने वाले शब्दों का, वसीयतकर्त्ता का मृत्यु पर वर्णन के अनुरूप सम्पत्ति को 112

निपटारा

उस जिले के न्यायाधीश को, जिसमें मृतक का नियत निवास स्थान नहीं था, किए गए आवेदन का..... 351

निर्बन्धित

वसीयत के उपभोग की रीति वसीयतदार को विनिर्दिष्ट फायदा सुनिश्चित करने के लिए.....188

निर्बन्धन

इस भाग के अधीन प्रमाण-पत्र के अनुदान पर.....459

नियोजन

के अभाव में शक्तियों के उद्देश्यों के लिए विवक्षित दान 114

निर्योग्यता

की दशा में निर्वाचन को मुल्तवी रखना..... 246

नियुक्ति

नामांकित निष्पादक की.....294

लोक रक्षक की.....268

के अवधारण के लम्बित रहने के दौरान रक्षक की..... 257

नियम

शाश्वतता के विरुद्ध.....146

अप्रशासित चीजबस्त के अनुदान के बारे में 329

विशेषाधिकार वाले विल, विलों को करने की रीति और निष्पादन के.....74

नियमों

का राज्य विधान मंडल के समक्ष रखा जाना 308

नेत्रहीन व्यक्ति

द्वारा वसीयत 56

न्यास

का गठन..... 509

न्यागमन

स्वामी द्वारा त्यागे गए हित का 239

न्यायालय की मुद्रा

के अधीन होना..... 373

न्यायालय

का कर्तव्य 295

का विवेकाधिकार 368

के आदेशों के अधीन संदत्त वसीयत सम्पदा का प्रतिदाय.....446

के माध्यम से मृत व्यक्तियों के ऋणियों से ऋणों की वसूली के लिए प्रतिनिधि हक के सबूत का पुरोभाव्य शर्त होना 275

प्रमाण-पत्र अनुदत्त करने की अधिकारिता रखने वाला 461

का कर्तव्य 370

न्यायाधीश

की अधिकारिता.....344

द्वारा की गई जाँच..... 255

न्यायोचित कारण

से प्रतिसंहरण या आतिलीकरण 333

प

पश्चात्वर्ती उपबन्ध

द्वारा विखंडन न होना..... 236

पश्चात्वर्ती प्रोबेट

या प्रशासन-पत्र का प्रमाण-पत्र पर प्रभाव.....278

परवर्ती वसीयत

का विनिर्दिष्ट अनिश्चित घटना के घटित न होने या घटित न होने पर आश्रित होना 177

परीक्षा
करने की शक्ति.....347
पद्धति
प्रोबेटों और प्रशासन पत्रों के अनुदान और प्रतिसंहरण की 338
पहले चुकाया जाना
जहाँ वार्षिकी का दान और अवशिष्ट दान हो, वहाँ सम्पूर्ण वार्षिकी का.....234
पत्र
द्वरा वसीयत 52
पक्षकार
वसीयत के.....501
से अभिप्राय.....344
बनने के प्रयोजन तक सीमित प्रशासन 324
पारस्परिक वसीयत
से अभिप्राय.....16
पारेषण
धारा 273 के परन्तुक के अधीन अनुदानों के प्रमाण- पत्र का उच्च-न्यायालय को 355
पारम्परिक वंशज
कब व्यपगत नहीं होती है.....137
पट्टे
पर दिया जाना 220
पागल या अवयस्क
के उपयोग और फायदे के लिए प्रशासन 318
पात्रता
आवेदन की.....465
पारिवारिक पेंशन
से अभिप्राय..... 462
परिवर्तन
का प्रभाव.....85
परिवर्तन और पुनः प्रवर्तन
वसीयत का 79
परिवर्तित किया जाना
वसीयत को 519
परिसीमा 307
परिसीमा
से अभिप्राय 360
सम्बन्धी शब्दों के बिना वसीयत 119
परिणाम
वसीयतदार द्वारा, उस कार्य को, ... विषय-वस्तु अन्य व्यक्ति को मिलेगी, असंभव बनाने या अनिश्चित काल तक रोकने का 184
परिदान कब करेगा
निष्पादक वसीयत सम्पदा का.....427
परिभाषा
वसीयत एवं विधि का 4
निर्देशित वसीयत सम्पदा की 203
प्रशासक
की शक्तियाँ.....404
की साधारण शक्तियाँ 399
के रूप में नियुक्त..... 325
के विरुद्ध लाए जाने वाले वाद के पक्षकार बनने के प्रयोजन तक सीमित प्रशासन.....324
से अभिप्राय 501
प्रशासन
एकमात्र निष्पादक या अवशिष्ट वसीयतदार की अवयस्कता के दौरान.....317
वाद के विचाराधीन रहने के दौरान.....319
वाद तक सीमित 322

प्रशासन—क्रमशः:

अनुपस्थित निष्पादक के अटार्नी को विल को उपाबद्ध करते हुए 315
अटार्नी की विल उपाबद्ध करते हुए 316
मृत व्यक्ति की संपत्ति के संग्रहण और परिरक्षण तक सीमित 324
का अनुदान 301,303
की शक्ति..... 404
प्रशासक के विरुद्ध लाए जाने वाले वाद के पक्षकार बनने के प्रयोजन तक सीमित 324
प्रोबेट, प्रशासन पत्र और मृतक की आस्तियों का.....281
जहाँ सीमित अनुदान का पर्यवसान हो गया हो फिर भी सम्पदा का कुछ भाग अप्रशासित हो 329
विल के पेश किए जाने तक 315
विशिष्ट प्रयोजनों के लिए 322
विभिन्न निष्पादकों या अवशिष्ट वसीयतदारों की अवयस्कता के दौरान 318
निर्वसीयतता के मामले में प्रशासन के लिए हकदार अनुपस्थित व्यक्ति के अटार्नी को..... 317
पागल या अवयस्क के उपयोग और फायदे के लिए 318

प्रशासन-पत्र

अपवाद के अधीन रहते हुए प्रोबेट या विल को उपाबद्ध करते हुए.....327
अपवाद सहित 327
का प्रभाव..... 291
का प्रमाण-पत्र पर प्रभाव 278,280

प्रशासन-पत्र—क्रमशः:

का निश्चय होना..... 352
को नामंजूर करने की शक्ति.....382
के प्राप्तकर्त्ता द्वारा वाद आदि लाया जाना..... 279
से अभिप्राय 511
द्वारा कृत्यों को वैध न किया जाना 292
के लिये अर्जी 361
अनुदत्त नहीं किया जा सकेगा..... 308
के अनुदान के पूर्व उपस्थिति पत्र..... 307
से अभिप्राय 501,525

प्रशासन-पत्रों

के अनुदान का न्यायालय की मुद्रा के अधीन होना.....374
के अनुदान और प्रतिसंहरण की पद्धति..... 338

प्रशासन बन्धपत्र

का समनुदेशन.....377

प्रशासिका

की शक्तियाँ 405

प्रश्न

स्वत्व का.....295,368

प्रकृति और सम्पत्ति

निष्पादक या प्रशासक की, उस रूप में 269

प्रकाशन

से अभिप्राय 367

प्रकार

वसीयत के 14

प्रकीर्ण

वसीयत विधि का.....485

प्रगणित वस्तुओं

को विनिर्दिष्ट रूप में वसीयत किया गया नहीं माना जाता है.....200

प्ररूप

वसीयत का.....7

प्रमाण-पत्र और विस्तारित प्रमाण-पत्र का.....471

प्ररूप और प्रभाव

निष्पादकत्व के त्याग का.....302

प्रोद्भूत होना

उत्तरजीवी निष्पादक के प्रतिनिधित्व का.....298

प्रोबेट

आदि के लिए अर्जी पर हस्ताक्षर और उसका सत्यापन.....364

और प्रशासन के अनुदान के लिए समय 378

और प्रशासन-पत्र प्रतिनिधि द्वारा अनुदत्त किया जा सकता है..... 351

का प्रभाव.....299

की आवश्यकता 394

के अनुदान का न्यायालय की मुद्रा के अधीन होना 373

के अनुदान के पश्चात् कोडपत्र के पृथक् प्रोबेट का पता लगना 297

के लिए अर्जी की विल के एक साक्षी द्वारा सत्यापित किया जाना 365

के लिए अर्जी.....357

केवल नियुक्त निष्पादक के लिये ही 293

खो गए विल की प्रति या प्रारूप का.....312

खो गये या विनष्ट विल की अन्तर्वस्तुओं का..... 313

से अभिप्राय.....501,512

प्रोबेट—क्रमशः

प्रशासन पत्र और मृतक की आस्तियों का प्रशासन 281

जहाँ मूल विद्यमान है वहाँ उसकी प्रति का.....314

विल में विनिर्दिष्ट प्रयोजन तक सीमित..... 320

या प्रशासन-पत्र का निश्चय होना 352

प्रोबेटों

के अनुदान और प्रतिसंहरण में जिला न्यायाधीश की अधिकारिता.....342

प्रोबेट एवं प्रशासन पत्र

का प्रतिसंहरण.....514

का अनुदान..... 283

के सम्बन्ध में जिला न्यायाधीश के न्यायालय की कार्यवा-हियाँ 347

के बारे में जिला न्यायाधीश की शक्तियां..... 345

न्यायालय में नामंजूर किया जाना चाहिये वहाँ प्रक्रिया..... 373

अवशिष्ट का..... 328

के अनुदान के विरुद्ध केवियट 369

के प्रतिसंहृत किए जाने के पूर्व निष्पादक या प्रशासक को संदाय 381

के लिए आवेदन का, यदि उन्हें समुचित रूप से लिखा और सत्यापित किया गया है, निश्चायक होना.....356

के प्राप्तकर्त्ता द्वारा, जब तक उसे प्रतिसंहृत न कर दिया जाय, वाद आदि लाया जाना..... 279

के अनुदान और प्रतिसंहरण की पद्धति..... 338

प्रामाणिकता
वसीयत की.....9
प्रक्रिया
एकाधिक आवेदक होने पर.....467
आवेदन पर.....465
से अभिप्राय.....63
प्रतिविरोध के माले में.....379
जहाँ कोई निधि वार्षिकी से भारित या उसके लिए विनियोजित नहीं की गई है, वहाँ.....434
जहाँ प्रति विरोध है या जिला प्रतिनिधि यह सोचता है कि प्रोबेट या प्रशासन पत्र देना उसके न्यायालय में नामंजूर किया जाना चाहिये वहाँ.....373
जहाँ निष्पादक त्याग करता है या समय के भीतर स्वीकार करने में असफल रहता है वहाँ.....303
प्रतिरक्षा करना
वादों को संस्थित करना और उनमें.....262
प्रति
विरोध है या जिला प्रतिनिधि यह सोचता है वहाँ प्रक्रिया.....373
प्रतिषेध
रक्षक द्वारा कतिपय शक्तियों के प्रयोग का.....259
प्रतिकूल आशय
द्वारा सृजित वार्षिकी केवल जीवनपर्यन्त संदेय होगी.....231
प्रतिसंहरण
वसीयत का.....505
वसीयतकर्त्ता के विवाह द्वारा विल का.....82
प्रतिसंहरण—क्रमशः
अविशोषाधिकृत वसीयत का.....63
अनुदानों का परिवर्तन और.....331
से अभिप्राय.....337
प्रोबेट एवं प्रशासन पत्र का.....514
प्रमाण-पत्र का.....476
विशेषाधिकार रहित विल या क्रोडपत्र का.....83
विशेषाधिकार वाले विल या क्रोडपत्र का.....86
विवाह द्वारा विल का.....82
क्रोडपत्र का.....83
में जिला न्यायाधीश की अधिकारिता.....342
प्रतिसंहरण किया जाना
स्वस्थचित्त अवस्था में.....62
वसीयत को.....519
प्रतिसंहरणीयता
से अभिप्राय.....10
प्रतिसंहृत वसीयत
का प्रभाव.....86
प्रतिसंहृत प्रोबेट
या प्रशासन-पत्र का अध्यर्पण.....380
प्रतिस्थापित
विनिर्दिष्ट रूप में वसीयत किया गया स्टाक तृतीय पक्षकार को इस शर्त पर पट्टे पर दिया जाना कि उसको.....220
प्रतिग्रहण
के अधीन लेने के निर्वाचन को गठित करना.....244
प्रतिलिप वसीयत
से अभिप्राय.....19
प्रतिविरोध
के माले में प्रक्रिया.....379

प्रतिनिधि हक
उत्तराधिकार पर मृतक की सम्पत्ति के लिए.....269
प्रतिनिधित्व
का प्रोद्भूत होना.....298
प्रतिनिधियों
आदि की वसीयत 117
प्रतिदाय
वसीयत संपदाओं के.....445
की मांग कर सकेगा.....449
न्यायालय के आदेशों के अधीन संदत्त वसीयत सम्पदा का.....446
पर ब्याज का न होना.....451
प्रतिधारण
विभिन्न व्यक्तियों को क्रमवार विनिर्दिष्ट वसीयत का उसी रूप में.....201
प्रतिपाल्य अधिकारी
को ऐसे अवयस्क के मामले में जिसकी सम्पत्ति उसकी अधिकारिता के अधीन है, रक्षक बनाया जाएगा.....266
प्रतिबंधित
न होना.....6
प्रतिभू
नहीं देने का प्रभाव 376
प्रतिभूतियों
के बारे में शक्तियों की बाबत प्रमाण-पत्र का संशोधन.....472
प्रतिभूत
की राशि.....377
प्रथम वसीयत
की निष्फलता पर द्वितीय वसीयत का कब प्रभावी न होना.....176
प्रदान करना
जिला न्यायालयों की अधिकारिता अवर न्यायालय को.....482
प्रपीड़न
से अभिप्राय 60
प्रभार
कमीशन या अभिकरण.....400
प्रभाव
शब्दों को जोड़ने का.....121
अनुप्रमाणन साक्षी को दान का 79
केवल साधारण वर्णन वाले व्यक्तियों के वर्ग को.....123
संचयन के लिए निर्देश का.....151
संक्षिप्त कार्यवाही के विनिश्चय का 267
प्रशासन-पत्र का 291
प्रोबेट का 299
प्रतिसंहृत वसीयत का 86
प्रतिभू नहीं देने का.....376
प्रमाण-पत्र का 474
विशेषाधिकार रहित विल में मिटाने, अन्तरालेखन ख या परिवर्तन का 85
विशिष्ट अंश देने के वसीयतकर्त्ता के आशय को दर्शित करने वाले शब्दों का.....136
विनिर्दिष्ट वसीयत के लिए निष्पादक की अनुमति का.....423
विदेशी राज्य में भारतीय प्रतिनिधि द्वारा और कतिपय अन्य मामलों में अनुदत्त या विस्तारित प्रमाण-पत्र का.....475
किसी व्यक्ति के लिये वसीयत में किसी वर्ग का वर्णन करने वाले शब्दों को जोड़ने का 121
निष्पादक की अनुमति का 426

प्रभाव—क्रमशः:

पश्चात्वर्ती प्रोबेट या प्रशासन-पत्र का प्रमाण-पत्र पर..... 278

परिवर्तन का 85

पूर्ववर्ती प्रमाण-पत्र, प्रोबेट या प्रशासन-पत्र का प्रमाण-पत्र पर..... 480

प्रभावी होना

वसीयत का किसी पूर्विक वसीयत की निष्फलता पर 150

वसीयत का.....40

मृत्यु के पश्चात् 6

इस शर्त के साथ वसीयत कि यह विनिर्दिष्ट अनिश्चित घटना के घटित होने या न होने की दशा में..... 181

प्रभावी बनाया जाना

जहाँ तक सम्भव हो वसीयतकर्त्ता के आशय को.....108

प्रभाजन

वार्षिकियों का संदाय और.....429

प्रभावित न होना

मूल वसीयत का द्वितीय वसीयत की अविधिमान्यता द्वारा 180

प्रमाणित प्रतिलिपि

से अभिप्राय.....363

प्रमाणित किया जाना

वसीयत को.....368

प्रमाण-पत्र

और विस्तारित प्रमाण-पत्र का प्ररूप 471

अनुदत्त करने की अधिकारिता रखने वाला न्यायालय.....461

अनुदत्त किया जाना 467

का प्ररूप.....471

का प्रतिसंहरण 476

प्रमाण-पत्र—क्रमशः:

का विस्तार 471

की आवश्यकता.....277

की विषयवस्तु 468

के अनुदान पर निर्बन्धन..... 459

के प्राप्तकर्त्ता से प्रतिभूति की अध्यपेक्षा..... 469

के लिए आवेदन.....462

का स्थानीय विस्तार.....473

का प्रभाव 474

प्रमाण-पत्र धारक

का दायित्व..... 481

प्रमाण-पत्रों

का अभ्यर्पण.....484

पर न्यायालय की फीस का संग्रहण करने का ढंग.....472

प्रत्यक्ष संदिग्धार्थता

के मामलों में बाहरी साक्ष्य की ग्राह्यता 100

प्रत्यक्ष संदिग्धार्थता

या कमी के मामलों में बाहरी साक्ष्य की अग्राह्यता.....101

प्रयोग

कई निष्पादकों या प्रशासकों की शक्तियों का उनमें से एक द्वारा.....402

प्रयोजनों

के लिए जिला न्यायालयों की अधिकारिता अवर न्यायालय को प्रदान करना 482

के लिए, जिनमें से कुछ को पूरा नहीं किया जा सकता 189

प्रयुक्त शब्दों

का निर्वचन..... 108

प्रत्येक वसीयतदार
को कब अनुपात में प्रतिदाय करने के लिए विवश किया जा सकेगा 447
प्राङ्न्याय
से अभिप्राय 354
प्राप्त नहीं कर सकता
नामित वसीयतदार जब तक निष्पादन के रूप में कार्य करने का आशय दर्शित न करे, वह वसीयत सम्पदा 191
प्राप्तकर्त्ता
से प्रतिभूति की अध्यपेक्षा 469
प्रारूप
का प्रोबेट 312
पुरोभाव्य शर्त
की पूर्ति 173
मृत व्यक्तियों के ऋणियों से ऋणों की वसूली के लिए प्रतिनिधि हक के सबूत का 275
पुरोभाव्य या उत्तरभाव्य शर्त
का विनिर्दिष्ट समय के भीतर पूरा किया जाना कपट के मामले में अतिरिक्त समय 185
पुजारी
द्वारा वसीयत 14
पुनः सुनवाई
की शक्तियां 368
पुनः प्रवर्तन
विशेषाधिकार रहित विल का 87
विल का 87
पुनरीक्षण
से अभिप्राय 479
पूरा किया जाना
शर्तों का कड़ाई से 179
पूर्वोक्त वसीयत
के अध्यधीन वसीयत 144
पूर्ववर्ती प्रमाण-पत्र
प्रोबेट या प्रशासन-पत्र का प्रमाण-पत्र पर प्रभाव 480
पूर्वता
प्राप्त ऋण 415
पूर्त एवं धार्मिक प्रयोजनों
के लिए वसीयत 565
पूर्विक वसीयत
की निष्फलता पर प्रभावी होना 150
पूर्ति
शब्दों की 97
वसीयत सम्पदा के निहित होने के लिए पुरोभाव्य शर्त की 173
पता लगना
प्रोबेट के अनुदान के पश्चात् कोडपत्र के पृथक् प्रोबेट का 297
पदों
का अर्थान्वयन 124

फ

फाइल करना
मूल विलों को, जिनके प्रोबेट या प्रशासन-पत्र, विल को उपाबद्ध करते हुए, अनुदत्त किये गये हों 378
फायदा
साक्षी को 81
सुनिश्चित करने के लिए 188
पाने वाले व्यक्ति को 241
फीस
का संग्रहण करने का ढंग 472

ब

बाहरी साक्ष्य
की अग्राह्यता 101
बाध्य
ऐसा वसीयतदार, जिसकी तुष्टि नहीं हुई है----प्रतिदाय करने के लिए कब नहीं कर सकता 450
बाध्य न होना
निष्पादक या प्रशासक का प्रतिपूर्ति के बिना, वसीयत संपदा के संदाय के लिए.....417
बाबत
मृतक की अन्त्येष्टि की 407
मृतक की सम्पत्ति और उस देय ऋण की..... 411
मृतक की मृत्यु से समाप्त न हुए वाद हेतुकों और मृत्यु पर देय ऋणों की 394
बाम्बे रेगुलेशन संख्यांक 8
के अधीन प्रमाण-पत्रों की बाबत उपबन्ध 484
बन्धन
एक ही सम्पत्ति के लिए दूसरे रक्षक की नियुक्ति पर..... 264
बन्धपत्र
का समनुदेशन 377
ब्याज
वार्षिकी का सृजन करने के लिए विनिहित धनराशि पर..... 444
की वसीयत.....229
की दर..... 442
वसीयत सम्पदा के संदाय के लिये कोई नियत नहीं है 441
जब समय नियत है..... 442
ब्याज न होना
वसीयतकर्त्ता की मृत्यु के पश्चात् प्रथम वर्ष के भीतर वार्षिकी पर.....443

भ

भत्ते
लम्बित रहने के दौरान दृष्यमान स्वामियों को..... 263
भार
सबूत का 337
भारत
के किसी भी भाग की सम्पत्ति का सम्मिलित किया जाना..... 410
भारतीय प्रतिनिधि
द्वारा अनुदत्त या विस्तारित प्रमाण-पत्र का प्रभाव.....475
भाषा
वसीयत की.....502
भविष्य निधि
से अभिप्राय 461
भविष्य में संदेय
साधारण वसीयत सम्पदा का विनिधान, मध्यवर्ती ब्याज का व्ययन 433
भूमि
कलेक्टर की रिपोर्ट जहाँ संपदा में राजस्व संदत्त करने वाली 261

न

मरणासन्न अवस्था
क्या है? 249
महत्पूर्ण प्रश्नोत्तर
वसीयत विधि के..... 530

महत्पूर्ण निर्णय
वसीयत विधि का 517
मर्ज-उल-मौत
क्या है?.....250
मजदूरियों
का और तत्पश्चात् अन्य ऋणों का संदाय.....413
मांग
लेनदार वसीयतदार से प्रतिदाय की.....449
मानसिक अक्षमता
से अभिप्राय.....21
मिथ्या वर्णन
पाने वाले का.....96
मिथ्या प्रकथन
के लिये दण्ड सत्यापन.....366
मौखिक वसीयत
से अभिप्राय.....15,49,509
मौखिक प्रतिसंरक्षण
से अभिप्राय.....63
से अभिप्राय.....52
मुल्तवी रखना
निर्योग्यता की दशा में निर्वाचन को..... 246
मूल
विद्यमान है वहाँ उसकी प्रति का प्रोबेट.....314
मूल वसीयत
का आबद्ध किया जाना.....360
द्वारा प्रभावित न होना 180
मूल विलों
को, जिनके प्रोबेट या प्रशासन-पत्र, विल को उपाबद्ध करते हुए, अनुदत्त किये गये हों फाइल करना.....378
मूल्यवान वस्तु
वसीयतकर्त्ता स्वयं या उसका प्रतिनिधि उसे प्राप्त करता है..... 218
जहाँ वसीयत की गई 218
मृतक
से समाप्त न हुए वाद हेतुकों और मृत्यु पर देय ऋणों की बाबत..... 394
अवशिष्ट वसीयतदार के प्रतिनिधित्व या प्रशासन के लिए अधिकार..... 305
का नियत निवास स्थान.....351
कोई हिन्दू, मुस्लिम, बौद्ध, सिक्ख, जैन या छूट प्राप्त व्यक्ति नहीं है 287
की आस्तियों का प्रशासन..... 281
की अन्त्येष्टि की बाबत 407
की सम्पत्ति और उस देय ऋण की बाबत 411
की सम्पत्ति का संरक्षण.....252
की सम्पत्ति का निष्पादक या प्रशासक द्वारा क्रय किया जाना..... 401
की सम्पत्ति के लिए उत्तराधिकार द्वारा अधिकार का दावा करने वाला व्यक्ति सदोष कब्जे के विरुद्ध 253
की सम्पत्ति के लिए प्रतिनिधि हक..... 269
की या उसके विरुद्ध मांगे और कार्यवाही करने के अधिकारों का 394
द्वारा लोक व्यवस्थापन या विधिक निदेश के विरुद्ध इस भाग के प्रवर्त्तन का वर्जन 266
मृत्यु होना
संयुक्त वसीयतदारों में से एक की 135

मृत व्यक्ति
की संपत्ति के संग्रहण और परिरक्षण तक सीमित प्रशासन 324

मृत व्यक्तियों
के ऋणियों से ऋणों की वसूली के लिए..... 275

मृत्यु
वसीयत सम्पदा व्यपगत नहीं होती यदि दो संयुक्त वसीयतदारों में से एक की.....135
वसीयतकर्त्ता की 214
समय के भीतर या निश्चित दिन करने का निदेश हो संदाय की तारीख से पूर्व वार्षिकीदार की.....430
को आसन्न मानकर की गई वसीयत 563
को आसन्न मानकर किया गया दान 247,511,525
को आसन्न मानकर दान द्वारा अन्तरणीय सम्पत्ति..... 247
के समय, केवल उस सीमा तक विखण्डन.....215
के पश्चात् प्रभावी होना.....6
निष्पादक की..... 422
पर शक्तियों का समाप्त न होना 403

मृत्यु दण्ड
से दण्डित व्यक्ति द्वारा वसीयत 37

मध्यवर्ती ब्याज
का व्ययन 433

य

यदि संदाय
स्वैच्छिक है, तो प्रतिवाद नहीं होगा..... 446

युक्तियुक्त अर्थान्वयन
को अस्वीकृत न किया जाना..... 107

र

रक्षक बनाना
प्रतिपाल्य अधिकारी को ऐसे अवयस्क के मामले में जिसकी सम्पत्ति उसकी अधिकारिता के अधीन है, ... 266

रक्षक
की नियुक्ति 257,268
द्वारा लेखा फाइल किया जाना..... 263
द्वारा कतिपय शक्तियों के प्रयोग का प्रतिषेध..... 259

राज्य
के बाहर साबित विलों की अधिप्रमाणित प्रति की प्रति उपाबद्ध करके प्रशासद..... 300

राज्य विधान मंडल
के समक्ष रखा जाना 308

राशि
प्रतिभूत की..... 377

रजिस्ट्रीकृत वसीयत
से अभिप्राय 16

रजिस्ट्रीकरण
आवश्यक नहीं 13
से अभिप्राय 28,505,518

रिक्तग्राही
का सक्षम होना..... 37
द्वारा स्वीकृति 40

रिक्थदान
अजन्मे व्यक्ति के पक्ष में.....31
से अभिप्राय 501

रिक्थभागी
से अभिप्राय 29

रीति

संपरिवर्तन और विनिधान का समय और 436

निष्पादन की 77

ल

लागू होना

हिन्दुओं आदि द्वारा किये गये विलों के एक वर्ग को....46

संभाग का 281

लागू होने या उपयोग

के बारे में निर्देश के साथ वसीयत....187

लिखित वसीयत

का सिद्धि भार 32

से अभिप्राय....15

लोक रक्षक

की नियुक्ति....268

लाया जाना

केवल प्रोबेट या प्रशासन-पत्र के प्राप्तकर्त्ता द्वारा, ... वाद आदि....279

लेखक

अभिप्रामनकर्ता नहीं हो सकता....10

अनुप्रमाणन साक्षी नहीं हो सकता....70

अनुप्रमाणनकर्ता साक्षी नहीं हो सकता 27

लेखाओं

का निरीक्षण और दोहरी प्रति रखने का हितबद्ध पक्षकार का अधिकार.... 264

लेनदार

प्रथम दृष्ट्या, वसीयत संपदा तथा ऋण, दोनों के लिये भी हकदार है 235

लेनदार वसीयतदार

से प्रतिदाय की मांग कर सकेगा 449

लेनदारों

और हिस्सा पाने वालों की वसीयत सम्पदा.... 235

व

वसीयत

शर्त रहित एवं सशर्त 31

लागू होने या उपयोग के बारे में निर्देश के साथ....187

वसीयतकर्त्ता की मृत्यु पर अविद्यमान व्यक्ति को पूर्वोक्त वसीयत के अध्यधीन....144

क्या है 517

अवैध या अनैतिक शर्त पर 172

असम्भव शर्त पर....172

अजन्मे व्यक्ति के पक्ष में.... 555

आत्महत्या करने वाले व्यक्ति द्वारा.... 37

उत्तराधिकारी के पक्ष में 52

क को वसीयत और पूर्विक वसीयत के निष्फल हो जाने पर ख को....175

करने की सामर्थ्य....518

करने की क्षमता....502

करने के लिए सक्षम व्यक्ति.... 29

का शून्य हो जाना 506

का अर्थान्वयन 522

का अर्थान्वयन 89

का अनुप्रमाणन, प्रतिसंहरण, परिवर्तन और पुनः प्रवर्तन 79

का उसी रूप में प्रतिधारण 201

का सबूत 7

का प्ररूप 7

का प्रतिसंहरण.... 505

का प्रभाव 86

वसीयत—क्रमशः

का प्रभावी होना.................................40
का विखण्डित न होना 211
का विखण्डन एवं परिवर्तन...................32
का विखण्डन.....................42,207,524
का किसी पूर्विक वसीयत की निष्फलता पर प्रभावी होना..........150
का निष्पादन...................................520
को प्रतिसंहृत या परिवर्तित किया जाना 519
को प्रमाणित किया जाना 368
की गई चीज का हटाया जाना कब विखण्डन गठित नहीं करता है 217
की गई चीज के लिए वसीयतकर्त्ता के हक को पूरा करना उसकी सम्पदा के खर्च पर होगा 224
की प्रामाणिकता 9
की विषय-वस्तु बाबत दायित्वों का संदाय................................ 222
की भाषा..502
के आवश्यक तत्व :......................5,501
के अधीन अधिकार..........................418
के उद्देश्य.......................................39
के प्रारूप..552
के पक्षकार 501
साधारण शब्दों में वर्णित चीजों की... 228
से अभिप्राय.....................................29
सम्पदा की परिभाषा........................203
गूंगे व्यक्ति द्वारा................................40
जो किसी विनिर्दिष्ट अनिश्चित घटना पर, जिसके घटित होने के लिए समय वर्णित नहीं हैं, समाश्रित है....................167

वसीयत—क्रमशः

विधवा द्वारा..................................554
किसी व्यक्ति "वारिसों" आदि को, विशेषित करने वाले शब्द के बिना 115
किसी विशिष्ट वर्णन वाले किसी व्यक्ति को, जो वसीयतकर्त्ता की मृत्यु पर विद्यमान नहीं हैं,......142
किसी निष्पादक को...........................191
किया गया नहीं माना जाता है 200
दिवालिया व्यक्ति द्वारा....................... 37
निधि की कतिपय प्रयोजनों के लिए, जिनमें से कुछ को पूरा नहीं किया जा सकता 189
निधि के ब्याज या आगम की 229
तीन वर्ष पुरानी 8
दृष्टिहीन व्यक्ति द्वारा........................ 23
धार्मिक एवं पूर्व प्रयोजनों के लिए...................................... 523
धार्मिक और पूर्त प्रयोजनों के लिए...152
धर्म त्यागने वाले व्यक्ति द्वारा............. 37
नेत्रहीन व्यक्ति द्वारा...........................56
पर हस्ताक्षर करते समय 12
पत्र द्वारा 52
परिसीमा सम्बन्धी शब्दों के बिना 119
पुजारी द्वारा.....................................14
पूर्त एवं धार्मिक प्रयोजनों के लिए 565
पेश करने का आदेश देने की शक्ति......................................347
मृत्यु को आसन्न मानकर की गई 563
मृत्यु दण्ड से दण्डित व्यक्ति द्वारा 37
में प्रयुक्त किये जाने वाले शब्द............ 92
में हित निहित होना.........................162
का स्वरूप.. 7

वसीयत—क्रमश:

की सम्पत्ति 503
की विषय-वस्तु.....30
के प्रकार : 14
विशिष्ट व्यक्ति के ''प्रतिनिधियों'' आदि की 117

वसीयत विधि

की परिभाषा.....4
का सार संक्षेप.....499
का प्रकीर्ण 485
का प्रारूप 552
का महत्पूर्ण प्रश्नोत्तर.....530
का महत्पूर्ण निर्णय 517

वसीयतकर्त्ता

की जानकारी के बिना विषय-वस्तु में तब्दीली 220
की मृत्यु के पश्चात् प्रथम वर्ष के भीतर वार्षिकी पर कोई ब्याज न होना.....443
की मृत्यु के बीच, विधि के प्रवर्तन द्वारा तब्दीली..... 219
की मृत्यु पर अविद्यमान व्यक्ति को पूर्वोक्त वसीयत के अध्यधीन वसीयत 144
की मृत्यु पर विद्यमान नहीं हैं, वसीयत 142
की मृत्यु.....214
के आशय को प्रभावी बनाया जाना 108
के आशय को प्रभावी बनाया जाना 108
के आशय को दर्शित करने वाले शब्दों का प्रभाव 136
के स्वामित्व की बाबत उसका विश्वास तत्वहीन है.....239

वसीयत विधि—क्रमश:

के प्रतिनिधि वसीयतदार से निर्वाचन करने के लिए कब कह सकेंगे.....246
के विवाह द्वारा विल का प्रतिसंहरण.....82
द्वारा अन्य व्यक्ति से प्राप्त होने वाली मूल्यवान वस्तु है प्रतिनिधि उसे प्राप्त करता है 218
का सक्षम होना..... 34
से अभिप्राय 501

वसीयत क्या है?

विशेषाधिकार वाली 73

वसीयत सम्पदा

के संदाय के लिए बाध्य न होना..... 417
लेनदारों और हिस्सा पाने वालों की 235
व्यपगत नहीं होती यदि दो संयुक्त वसीयतदारों में से एक की मृत्यु हो जाती है 135
का संदाय 205
का निहित होना 156
का परिदान कब करेगा.....427
की परिभाषा 193
के संदाय के लिये 202
के लिए अनुमति 421
के निहित होने की तारीख जब संदाय का कब्जा रोक दिया गया हो.....156
के निहित होने के लिए पुरोभाव्य शर्त की पूर्ति.....173
से अभिप्राय 19
जो विनिर्दिष्ट नहीं है, वहाँ वसीयत की गई धनराशि का विनिधान..... 433
किन मामलों में व्यपगत होती है.....133

वसीयत संपदा तथा ऋण
के लिये हकदार....235
वसीयत सम्पदा धारा 137
के अधीन अनुज्ञात अतिरिक्त समय के भीतर शर्त का अनुपालन 447
वसीयत संपदाओं
का उपबंध करने के लिए निधियों का विनिधान....432
के उत्पाद और ब्याज....439
के प्रतिदाय....445
के पूर्व ऋणों का संदाय किया जाना 416
में कमी....417
वसीयतकर्त्ता की सम्पत्ति
का भाग कतिपय रीति से....199
वसीयतों का संदाय
भाग एक वसीयतदार को विनिर्दिष्ट रूप में 213
वसीयती उत्तराधिकार
से अभिप्राय....45
वसीयती कागज-पत्र
पेश करने के आदेश 346
वसीयती संरक्षक
से अभिप्राय....57
वसीयती
एवं क्रोडपत्र....53
वसीयतदार
को उपभोग की रीति....188
का अस्तित्व में होना 52
का गठन....131
की स्थावर सम्पत्ति की विमुक्ति जिसके लिये भू-राजस्व या भाटक कालिक रूप से संदेय है 224
वसीयतदार—क्रमशः
के स्टाक की विमुक्ति....225
के हक को पूर्ण करने के लिये अनुमति का आवश्यक होना 421
के लिए पश्चात्वर्ती उपबन्ध द्वारा विखंडन न होना....236
से अभिप्राय 501
से निर्वाचन करने के लिए 246
से भिन्न वसीयतदारों को प्रशासन पत्र के अनुदान के पूर्व उपस्थिति पत्र....307
द्वारा, उस कार्य को, जिसके लिये कोई समय विनिर्दिष्ट नहीं है 184
वसीयतें
वार्षिकी की....231
साधारण शब्दों में वर्णित चीजों की 228
जिन पर ये उपबंध लागू किये गये हैं....47
निधि के ब्याज या आगम की 229
वस्तुओं का वर्णन
के अनुरूप सम्पत्ति को निर्दिष्ट करना 112
वर्जन
मृतक द्वारा लोक व्यवस्थापन या विधिक निदेश के विरुद्ध इस भाग के प्रवर्त्तन का 266
वाद
लाने के अधिकार की व्यावृत्ति....267
के विचाराधीन रहने के दौरान प्रशासन....319
तक सीमित प्रशासन....322
वादों
को संस्थित करना और उनमें प्रतिरक्षा करना....262

वार्षिकी
का उपशमन 234
का सृजन करने के लिए विनिहित धनराशि पर ब्याज 444
का प्रारम्भ, जब विल में कोई समय नियत न हो 429
का दान और अवशिष्ट दान हो, वहाँ सम्पूर्ण वार्षिकी का पहले चुकाया जाना 234
की वसीयतें....231
पर कोई ब्याज न होना....443

वार्षिकीय वसीयत
से अभिप्राय....561

वार्षिकियों
का संदाय और प्रभाजन....429

वर्णन
का भाग कब अस्वीकार नहीं किया जाए कि वह गलत है....99

वृद्धि
कतिपय मामलों में प्रोबेट या प्रशासन-पत्र के लिये अर्जी, आदि कथनों में....363

वर्णित वर्ग
के लिए वसीयत के मामलों में उत्तरजीविता 138

वर्णित चीजों
की वसीयतें....228

विशेषाधिकार
रहित वसीयतों का निष्पादन....65
विल में मिटाने, अन्तरालेखन ख या परिवर्तन का प्रभाव....85
या क्रोडपत्र का प्रतिसंहरण....83
रहित विलों का निष्पादन....65
वाली वसीयत क्या है? 73

विशेषाधिकार—क्रमशः
वाली वसीयतें....72
वाले विल 72
वाले विल, विलों को करने की रीति और निष्पादन के नियम 74

विशेषाधिकार रहित विल
का पुनः प्रवर्तन....87

विशेषाधिकार वाले विल
या क्रोडपत्र का प्रतिसंहरण 86

विशेषित करने वाले शब्द
के बिना वसीयत 115

विल
करने के लिए समर्थ व्यक्ति 53
का पुनः प्रवर्तन....87
को उपाबद्ध करते हुये प्रशासन का अनुदान करने के पश्चात् क्रोडपत्र का पता करने पर प्रक्रिया....332
को पाने वाले या उसकी विषय-वस्तु से सम्बन्धित 94
के शब्द....91
के अधीन व्यष्टिक हैसियत में लेने वाला व्यक्ति दूसरी हैसियत में उसके विरुद्ध लेने का निर्वाचन कर सकेगा 242
के पेश किए जाने तक प्रशासन 315
से निकाला जाना 103
द्वारा दिए गए फायदे का प्रतिग्रहण कब विल के अधीन लेने के निर्वाचन को गठित करता है....244
प्रतिसंहृत या परिवर्तित की जा सकती है 62
में एक ही व्यक्ति को दो वसीयतें करने का तात्पर्य हो वहाँ अर्थान्वयन के सिद्धान्त 128

विल—क्रमशः

में विनिर्दिष्ट प्रयोजन तक सीमित प्रोबेट.....320

के विभिन्न भागों में पुनः प्रयुक्त शब्दों का निर्वचन.....108

विलों

की अधिप्रमाणित प्रति.....300

एक वर्ग को लागू होना.....46

विवश

प्रत्येक वसीयतदार को कब अनुपात में प्रतिदाय करने के लिए.....447

विवाह

द्वारा विल का प्रतिसंहरण.....82

विवाहित निष्पादिका या प्रशासिका

की शक्तियाँ.....405

विवक्षित दान

नियोजन के अभाव में शक्तियों के उद्देश्यों के लिए.....114

विवेकाधिकार

न्यायालय का.....368

विषय वस्तु

से अभिप्राय.....38,51

वसीयत की.....30

के वर्णन में गलत वर्णन का अस्वीकार किया जाना.....98

प्रमाण-पत्र की.....468

जहाँ वसीयत सम्पदा का संदाय ऐसी निधि से किये जाने का निदेश हो, जो विनिर्दिष्ट वसीयत सम्पदा की.....205

निर्णय की.....299

विखण्डन

वसीयकर्त्ता की मृत्यु के समय, केवल भागतः विद्यमान रहता है, वहाँ उस सीमा तक.....215

विखण्डन—क्रमशः

ऐसी सम्पूर्ण निधि के भाग की, --- वसीयतकर्त्ता द्वारा प्राप्ति पर उस सीमा तक.....213

का स्पष्टीकरण.....208

वसीयत का.....42,207,511,524

वसीयत किया गया स्टाक वसीयतकर्त्ता की मृत्यु के समय विद्यमान नहीं है, वहाँ.....214

गठित नहीं करता.....217

विनिर्दिष्ट रूप से वसीयत की गई सम्पूर्ण चीज के भाग की वसीयतकर्ता द्वारा प्राप्ति पर उस सीमा तक.....212

तृतीय पक्षकार से कुछ प्राप्त करने के अधिकार की विनिर्दिष्ट वसीयत का.....211

विखंडन न होना

वसीयतदार के लिए पश्चात्वर्ती उपबन्ध द्वारा.....236

विखण्डन एवं परिवर्तन

वसीयत का.....32

विनिर्दिष्ट वसीयत का माल हटाने जाने के कारण.....216

विस्तार

प्रमाण-पत्र का.....471

विचाराधीन

के दौरान प्रशासन.....319

विशिष्ट वर्णन

वाले किसी व्यक्ति को, जो वसीयतकर्त्ता की मृत्यु पर विद्यमान नहीं हैं, वसीयत.....142

विशिष्ट व्यक्ति

के ''प्रतिनिधियों'' आदि की वसीयत.....117

विशिष्ट अंश
देने के वसीयतकर्त्ता के आशय को दर्शित करने वाले शब्दों का प्रभाव 136

विशिष्ट आयु
किसी वर्ग के ऐसे सदस्यों का वसीयत में हित निहित होने का.....162

विशिष्ट प्रतिभूतियों
में विनिधान किये जाने के निदेश के बिना जीवन पर्यन्त के लिए वसीयत किए गए अवशेष का विनिधान 435

विशिष्ट प्रयोजनों
के लिए सीमित प्रशासन, विल को ..... जिसमें व्यक्ति फायदाप्रद हित रखता है 322

विक्षिप्तता
से अभिप्राय.....21

विधिक अक्षमता
से अभिप्राय.....20

विधिमान्य वसीयत
की अनिवार्यताएं.....9
से अभिप्राय.....18

विधिमान्यकरण
अविधिमान्य प्रमाण-पत्र के धारक को सद्भाव से किए गए कतिपय संदायों का 480

विधिमान्यता
से अभिप्राय.....28

विनिश्चय
का प्रभाव..... 267

विनिश्चयों का प्रभाव
और अधीन प्रमाण-पत्र धारक का दायित्व.....481

विनिहित धनराशि
पर ब्याज.....444

विनिधान
वसीयत संपदाओं का उपबंध करने के लिए निधियों का.....432
का समय और रीति 436
कतिपय धनराशि की वसीयत, जहाँ वह स्टाक आदि.....198
जीवनपर्यन्त के लिए दी गई है, वहाँ वसीयत की गई धनराशि का..... 433
जीवन पर्यन्त के लिए वसीयत किए गए अवशेष का..... 435
किए जाने के निदेश के सहित..... 436
दो या अधिक व्यक्तियों को सम्पत्ति का विक्रय और आगमों का 201

विनिधान की अवधि
जहां विल में यह निदेश दिया गया हो कि वार्षिक सम्पत्ति के आगमों --- धन का विनिधान वार्षिकी का क्रय करने में किया जाना है, वहाँ..... 232

विनिर्दिष्ट
वसीयतदारों की विमुक्त करने का निष्पादक का दायित्व न होना.....222
रूप से वसीयत की गई सम्पूर्ण चीज के ..... उस सीमा तक विखण्डन 212
वसीयतकर्त्ता की मृत्यु पर उसका वसीयतकर्त्ता के स्वामित्व में होना 221
रूप में वसीयत किया गया स्टाक ..... वहाँ विखण्डन 214
इस शर्त पर पट्टे पर दिया जाना कि उसको प्रतिस्थापित किया जायेगा 220

विनिर्दिष्ट वसीयत
का माल हटाने जाने के कारण विखण्डित न होना 216
की विषय-वस्तु में, विल की तारीख और वसीयतकर्त्ता की मृत्यु के बीच, विधि के प्रवर्तन द्वारा तब्दीली 219
के लिए निष्पादक की अनुमति का प्रभाव 423
सम्पदाओं में आनुपातिक कमी किया जाना 419
की वसीयत 558
की वसीयत 558

विनिर्दिष्ट वसीयत सम्पदा
की परिभाषा 193
के उत्पाद के लिए, वसीयतदार का हक 439

विनिर्दिष्ट रूप
में वसीयत किया गया है वसीयतकर्त्ता द्वारा प्राप्ति पर उस सीमा तक विखंडन 213

विभिन्न व्यक्तियों
को क्रमवार विनिर्दिष्ट वसीयत का उसी रूप में प्रतिधारण 201

विभिन्न निष्पादकों
को साथ-साथ या विभिन्न समय पर प्रोबेट का अनुदान 296
या अवशिष्ट वसीयतदारों की अवयस्कता के दौरान प्रशासन 318

विक्रय और आगमों
का विनिधान 201

वितरण
आस्तियों का 448

विदेशी राज्य
अनुदत्त या विस्तारित प्रमाण-पत्र का प्रभाव 475

विध्वंश
के लिए निष्पादक या प्रशासक का दायित्व 453
के लिए निष्पादक या प्रशासक का दायित्व 453

विधवा
द्वारा वसीयत 554

विमुक्ति
संयुक्त स्टाक कम्पनी में विनिर्दिष्ट वसीयतदार के स्टाक की 225

विमुक्त
करने का निष्पादक का दायित्व न होना 222

वे वसीयत सम्पदायें
जो कमी करने के प्रयोजन के लिए साधारण साधारण सम्पदाएं मानी जाती हैं 419

वे व्यक्ति
जिन्हें प्रोबेट अनुदत्त नहीं किये जा सकते हैं 296

वे परिस्थितियाँ
जिनमें ज्ञान या अधित्यजन उपधारित या अनुमति किया जाता है 245

वैध न किया जाना
प्रशासन-पत्र द्वारा कृत्यों को 292

वयस्कता
की आयु 34
से अभिप्राय 55

व्यक्ति
के सम्बन्ध में सीमायें 40
प्रशासक के रूप में नियुक्त जो सामान्य परिस्थितियों में प्रशासन के लिए हकदार है 325
विशेषित करने वाले शब्द के बिना वसीयत 115

व्यक्तियों
को वसीयत जो अविनिर्दिष्ट कालावधि पर उत्तरजीवी है.....169
के वर्ग को वसीयत.....123
व्यावृत्ति
वाद लाने के अधिकार की..... 267
व्यपगत अंश
कब अव्ययनित समझा जायगा.....136
व्यपगत होती है
वसीयत सम्पदा किन मामलों में.....133
व्यपगत नहीं होती
वसीयतकर्त्ता के जीवन-काल में उसकी मृत्यु होने पर कब.....137
ख के फायदे के लिये क को वसीयत क की मृत्यु से.....138
व्ययों
का सभी ऋणों के पूर्व संदाय किया जाना..... 411
व्ययन
सम्पत्ति का.....10
भविष्य में संदेय, साधारण वसीयत सम्पदा का विनिधान, मध्यवर्ती ब्याज का.....433

श

शक्ति
वसीयत पेश करने का आदेश देने की.....347
परीक्षा करने की शक्ति.....347
शक्तियाँ
निष्पादक या प्रशासक की..... 393
उच्च न्यायालय की.....386
पुनः सुनवाई की.....368
शाश्वतता
के विरुद्ध नियम.....146
शारीरिक अक्षमता
से अभिप्राय.....22,56
शास्ति
से अभिप्राय..... 380,464
शोध्य होती है
त्रैमासिक या मासिक संदाय वाली वार्षिकी प्रथम बार कब.....430
शक्ति
अप्रशासित चीजबस्त के प्रशासन की.....404
कार्यवाही करने के लिए जिला न्यायाधीश की प्रत्यायोजिती की नियुक्ति करने की.....344
संदेहास्पद मामलों में जहाँ कोई प्रति विरोध नहीं है जिला न्यायाधीश को कथन पारेषित करने की.....372
साधारण वसीयत द्वारा निष्पादित नियोजन की.....113
सम्पत्ति व्ययन के लिए निष्पादक या प्रशासक की.....396
प्रशासन-पत्र को नामंजूर करने की.....382
नामंजूर करने की.....382
शक्तियाँ
अवयस्कता को दौरान प्रशासक की.....404
विवाहित निष्पादिका या प्रशासिका की.....405
जिला न्यायाधीश की.....366
प्रोबेट और प्रशासन के बारे में जिला न्यायाधीश की..... 345
शक्तियों
की बाबत प्रमाण-पत्र का संशोधन.....472

शक्तियों के उद्देश्यों
के लिए विवक्षित दान.....114
शून्य वसीयतें
से अभिप्राय.....142,510
शून्य होना
अनिश्चितता के कारण विल या वसीयत का 110
शर्त
का विनिर्दिष्ट समय के भीतर पूरा किया जाना.....185
के साथ वसीयत प्रभावी नहीं रहेगी 181
शर्त रहित
एवं सशर्त वसीयत 31
शर्तों
का कड़ाई से पूरा किया जाना.....179
शपथ-पत्र
से अभिप्राय.....363,370
शब्द व्युत्पत्ति
से अभिप्राय.....5
शब्द
वसीयत में प्रयुक्त किये जाने वाले 92
विल के.....91
शब्दों
का अर्थान्वयन.....93
को कब निर्बन्धित अर्थों और कब प्रायिक से विस्तृत अर्थों में समझा जाएगा.....105
को जोड़ने का प्रभाव 121
की पूर्ति कब की जाएगी 97
के बिना वसीयत.....119

स

स्वत्व
का प्रश्न.....295,368
स्वस्थचित्त
अवस्था में प्रतिसंहरण किया जाना.....62
स्वस्थचित्तता
क्या है? 30
से अभिप्राय 37,55
स्वरूप
वसीयत का.....7
से अभिप्राय 76
स्वरूप
दस्तावेज का.....28
स्वामित्व
की बाबत उसका विश्वास 239
स्वामित्व में होना
विक्रय करके उसका प्रतिस्थापन होना और वसीयतकर्त्ता की मृत्यु पर उसका वसीयतकर्त्ता के 221
स्वामी
द्वारा त्यागे गए हित का न्यागमन.....239
स्वीकृति
रिक्थग्राही द्वारा.....40
स्वतंत्र वसीयतों
में से एक प्रतिगृहीत तथा दूसरी इंकार.....165
स्वतंत्र सहमति
से अभिप्राय 35,519
स्वयं की वसीयत
के लिए निष्पादक की अनुमति.....425
स्वयं के दोष
से निष्पादक का दायित्व 390
से निष्पादक 388
स्काट्च वसीयत
से अभिप्राय 19

सशर्त वसीयत
से अभिप्राय.....18,171,510,524,557
सर्वस्व
या अवशिष्ट वसीयतदार को प्रशासन का अनुदान जब 303
सम्मिलित किया जाना
सूची में कतिपय मामलों में भारत के किसी भी भाग की सम्पत्ति का.....410
निर्देश द्वारा कागजों का 70
सक्षम व्यक्ति
वसीयत करने के लिए.....29
सक्षम होना
वसीयतकर्ता का.....34
रिक्तग्राही का.....37
संशोधन
प्रतिभूतियों के बारे में शक्तियों की बाबत प्रमाण-पत्र का..... 472
संरक्षण
मृतक की सम्पत्ति का..... 252
संचयन
के लिए निर्देश का प्रभाव 151
संक्षिप्त कार्यवाही
के विनिश्चय का प्रभाव..... 267
संतान
प्रथम दृष्ट्या, वसीयत संपदा तथा हिस्सा दोनों के लिए भी हकदार हैं 236
संदत्त वसीयत
का प्रतिदाय..... 446
संदाय
उसके बाद कतिपय सेवाओं के लिये मजदूरियों का और तत्पश्चात् अन्य ऋणों का 413
करने के लिए अपर्याप्त 213
संदाय—क्रमशः
का आदेश जहाँ वसीयत सम्पदा का संदाय ऐसी निधि से किये जाने का निदेश.....205
के लिए पर्याप्त हों तब विनिर्दिष्ट वसीयत संपदाओं में कमी न होना 418
के लिये कोई नियत नहीं..... 441
प्रोबेट या प्रशासन के प्रतिसंहृत किए जाने के पूर्व निष्पादक या प्रशासक को 381
किसी वसीयत की विषय-वस्तु बाबत दायित्वों का.....222
संदाय की तारीख
से पूर्व वार्षिकीदार की मृत्यु.....430
संदाय किया जाना
वसीयत सम्पदाओं के पूर्व ऋणों का 416
व्ययों का सभी ऋणों के पूर्व.....411
संदेय
वसीयतदार की स्थावर सम्पत्ति की विमुक्ति जिसके लिये भू-राजस्व या भाटक कालिक रूप से 224
संपरिवर्तन और विनिधान
का समय और रीति 436
संपत्ति
के संग्रहण और परिरक्षण 324
संपदा
में राजस्व संदत्त करने वाली भूमि.....261
संभाग
का लागू होना 281
संयुक्त वसीयत
से अभिप्राय 17

संयुक्त वसीयतदारों
में से एक की मृत्यु होना 135
संयुक्त स्टाक कम्पनी
में विनिर्दिष्ट वसीयतदार के स्टाक की विमुक्ति..... 225
सार संक्षेप
वसीयत विधि का 499
स्टाक
की समान या अधिक मात्रा 199
की विक्रय करके उसका प्रतिस्थापन होना और वसीयतकर्त्ता की मृत्यु पर.....221
स्टाक की वसीयत
जहाँ वसीयतकर्त्ता के पास विल की तारीख को उसी प्रकार के स्टाक की समान या अधिक मात्रा है.....199
साक्षी
का निरर्हित न होना..... 81
को फायदा..... 81
साक्ष्य
अनुप्रमाणन का 80
साधारण शक्तियाँ
प्रशासक की..... 399
साधारण शब्दों
में वर्णित चीजों की वसीयत..... 228
साधारण वसीयत
से अभिप्राय.....552
द्वारा निष्पादित नियोजन की शक्ति.....113
साधारण निबन्धनों
वाली वसीयत सम्पदा के निहित होने का समय..... 133
साधारणतः लागू होना
इस भाग का 49
सामान्य परिस्थितियों
में प्रशासन के लिए हकदार..... 325
सामर्थ्य
वसीयत करने की 518
सीमा
एक वसीयतदार की दूसरे वसीयतदा को प्रतिवाद करने की 451
सीमायें
एवं प्रतिबंध 40
व्यक्ति के सम्बन्ध में 40
सम्पत्ति के सम्बन्ध में 41
सुन्नी एवं शिया विधि
में अन्तर 43
सूची
में कतिपय मामलों में भारत के किसी भी भाग की सम्पत्ति का सम्मिलित किया जाना 410
सूचना
की तामील..... 466
सदस्यों
का वसीयत में हित निहित होना, जो किसी विशिष्ट आयु को प्राप्त करें.....162
सन्देह नहीं
जब तक वसीयतकर्त्ता की सम्पत्ति का भाग कतिपय रीति से अध्ययन न किया जाये.....199
सबूत
वसीयत का 7
का पुरोभाव्य शर्त होना.....275
का भार 337
समवर्ती अधिकारिता
उच्च न्यायालय की.....384

समझा जाना
व्यपगत अंश 136
समाप्त न होना
कई निष्पादकों या प्रशासकों में से एक की मृत्यु पर शक्तियों का.....403
मृतक की या उसके विरुद्ध मांगे और कार्यवाही करने के अधिकारों का निष्पादक या प्रशासक के पक्ष में या उसके विरुद्ध 394
समाश्रित वसीयत
का अवशिष्ट वसीयतदार को अन्तरण 434
समाश्रित
अनिश्चित घटना पर, जिसके घटित होने के लिए समय वर्णित नहीं हैं, ...167
निहित होने की तारीख जब वसीयत सम्पदा विनिर्दिष्ट अनिश्चित घटना पर..... 159
समाश्रित वसीयत
से अभिप्राय.....17,167,510,524,560
समर्थ व्यक्ति
विल करने के लिए..... 53
समनुदेशन
प्रशासन बन्धपत्र का.....377
समय सीमा
वाले अनुदान 310
आवेदन करने की.....265
समय
साधारण निबन्धनों वाली वसीयत सम्पदा के निहित होने का..... 133
प्रोबेट और प्रशासन के अनुदान के लिए.....378
सम्पत्ति
का व्ययन.....5,10
का कोई भाग लेने में उपेक्षा के लिए निष्पादक या प्रशासन का दायित्व 455
का निष्पादक या प्रशासक द्वारा क्रय किया जाना 401
को निर्दिष्ट करना 112
के संरक्षण के लिए जिला न्यायाधीश कब और कैसे हस्तक्षेप कर सकता है..... 348
के सम्बन्ध में सीमायें.....41
के लिए अधिकार 271
से अभिप्राय 462,519
जिसके लिए अवशिष्टीय वसीयतदार हकदार हैं.....132
देय ऋण की बाबत.....411
सम्पत्ति व्ययन
के लिए निष्पादक या प्रशासक की शक्ति 396
सम्पूर्ण चीज
के भाग की वसीयतकर्ता द्वारा प्राप्ति पर उस सीमा तक विखण्डन 212
सम्पूर्ण निधि
वसीयतकर्त्ता द्वारा प्राप्ति पर उस सीमा तक विखंडन 213
सम्पदाओं
में आनुपातिक कमी किया जाना.....419
सम्पदा
का कुछ भाग अप्रशासित हो 329
के निहित होने का समय 133
किन मामलों में व्यपगत होती है.....133

सत्यापित किया जाना
प्रोबेट के लिए अर्जी की विल के एक साक्षी द्वारा.....365
सत्यापन
अर्जी या घोषणा में मिथ्या प्रकथन के लिये दण्ड.....366
से अभिप्राय.....360
प्रोबेट आदि के लिए अर्जी पर हस्ताक्षर और उसका.....364
किन मामलों में विल का.....360
सिद्धान्त
जहाँ विल में एक ही व्यक्ति को दो वसीयतें करने का तात्पर्य हो वहाँ अर्थान्वयन के.....128
सिद्धि भार
से अभिप्राय.....27
सिद्धि भार
से अभिप्राय.....509
लिखित वसीयत का.....32
स्थावर सम्पत्ति
की विमुक्ति.....224
स्थानीय विस्तार
प्रमाण-पत्र का.....473
स्पष्टीकरण
विखंडन का.....208

ह

हक
अवशिष्ट वसीयतदार का अवशिष्ट निधि के उत्पाद पर.....440
का दावा.....9
को पूरा करना.....224
विनिर्दिष्ट वसीयत सम्पदा के उत्पाद के लिए, वसीयतदार का.....439
हकदार
लेनदार, प्रथम दृष्ट्या, वसीयत संपदा तथा ऋण, दोनों के लिये भी.....235
संतान, प्रथम दृष्ट्या, वसीयत संपदा तथा हिस्सा दोनों के लिए भी.....236
प्रशासक के रूप में नियुक्त जो सामान्य परिस्थितियों में प्रशासन के लिए.....325
हकदार हैं
सम्पत्ति जिसके लिए अवशिष्टीय वसीयतदार.....132
हस्तक्षेप
सम्पत्ति के संरक्षण के लिए जिला न्यायाधीश कब और कैसे.....348
हस्ताक्षर
वसीयत पर.....12
हस्ताक्षर एवं सत्यापन
से अभिप्राय.....464
हित
के कारण या निष्पादक होने के कारण साक्षी का निरर्हित न होना.....81
हित
केवियट योग्य.....370
हितग्राही
से अभिप्राय.....502
हितबद्ध पक्षकार
का अधिकार.....264
हिन्दुओं
द्वारा किये गये विलों के एक वर्ग को लागू होना.....46
हैसियत
में उसके विरुद्ध लेने का निर्वाचन कर सकेगा.....242

क्ष

क्षमता

वसीयत करने की.....502

त्र

त्रैमासिक या मासिक

संदाय वाली वार्षिकी प्रथम बार
कब शोध्य होती है.....430

ज्ञ

ज्ञान

या अधित्यजन या अनुमति किया
जाना.....245